जनता कॉलेज, बकेवर में करेंट ट्रेड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CTFAST-2023) शीर्षक आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारम्भ दिनांक 22 दिसंबर 2023 को किया गया।

इटावा ,22 दिस.। जनता कॉलेज , बकेवर, इटावा में करेंट ट्रेड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सी टी एफ ए एस टी 2023) शीर्षक आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। सेमिनार में अतिथियों का कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत करके किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन सेमिनार के कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे ने दिया तथा सेमिनार के मुख्य शीर्षक की आख्या प्रस्तुत की। सेमिनार के मुख्य अतिथि राजकीय अभियंत्रिकी कॉलेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान सिर्फ उस पर चर्चा से ही हल निकाला जा सकता है, वह चाहे शिक्षा व्यवस्था हो, देश के विकास की बात हो और चाहे किसी भी योजना के बारे में हो। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार में 108 शोध पत्रों पर चर्चा होगी जो बहुत हर्ष का विषय है इन शोध पत्रों पर चर्चा करके जो सारांश निकलेगा उससे देश के विकास में सहयोग होगा तथा उन्होंने बताया कि हमारी सरकार निरंतर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता कर रही है । इस सेमिनार से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलेगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में जन्मे महान गुरु चरक आर्यभट्ट भास्कराचार्य चाणक्य नागार्जुन गौतम पिंगला मैत्री गार्गी पतंजलि आदि ने जो शिक्षा व्यवस्था प्रस्तुत की वह आज तक देखने को नहीं मिली उससमय शिक्षा संस्कार पूर्ण हो हुआ करती थी जो हमेशा मानव कल्याण की बात करती थी मानव के विकास तथा कल्याण से पूरी तरह जुड़ी हुई शिक्षा से सर्वांगीण विकास संभव था उस समय ऐसे विद्यालय थे जिसमें विद्यार्थियों के रहने खाने अध्यापन करने तथा शोध करने का वातावरण पूर्व से विकसित था जिसमें तक्षशिला , नालंदा ,विक्रम सिला प्रमुख थे प्राचीन समय में मैथमेटिक्स एस्ट्रोलॉजी मेटालर्जी मेडिकल साइंस सर्जरी सिविल इंजीनियर आर्किटेक्ट नेविगेशन योग फाइन आर्ट आज की शिक्षा हमारी शिक्षण संस्थानों में दी जाती थी उस समय भारत की साक्षरता लगभग 97% थी हमारी शिक्षा व्यवस्था को हमारे विश्व गुरु के सपने को एक ग्रहण सा लगा और हम भ्रमित होते चले गए आज पुनः नई शिक्षा नीति 2020 के द्वारा पुनः वहु विषयक संस्थाओं की बात की जा रही है जिसमें स्थानीय भाषा व कलाओं में निपुण होकर रोजगार ढूंढने के दिशा में युवाओं को प्रेरित किया जाएगा अब व्यवस्था नवाचार से जुड़कर भारत को पुनं विश्व गुरु की तरफ ले जाएगी । । कॉलेज के प्रबंध समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि पहले गुरुकुल व्यवस्था थी , जिसमें गुरु एवं शिष्य का संबंध दृढ़ होता था। लेकिन आज के समय में शिक्षा व्यवस्था बस जॉब ओरिएंटेड रह गई है ।उन्होंने कहा कि इस नेशनल सेमिनार में बहुत कुछ नवाचार सीखने को मिलेगा और कहा कि आज के विषय पर समग्र चिंतन करके देश के विकास में सहयोग करना होगा। सेमिनार के की-नोट स्पीकर बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो 0सी खेम थापा ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी में हम विश्व गुरु हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान के सिद्धांत को समझना और उसको प्रतिस्थापित करना तकनीकी होता है , उन्होंने अपने की-नोट स्पीच में प्रकाश, प्रकाश का पदार्थ से संबंध, फोटोनिक्स, मैक्सवेल का इक्वेशन नियम, ऋणात्मक इंडेक्स मैटेरियल्स, माइक्रोवेव के लिए सबवेवलेंथ, हाइपरबॉलिक पदार्थ तथा विज्ञान के अन्य पहलुओं पर अपने विचारों का साझा किया। डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के अतिथि वक्ता खेम बी. थापा के मुख्य उद्बोधन की सार्थक चर्चा की प्रशंसा करते हुए छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए डॉ एन. के. शर्मा , डीन कृषि ,चंद्रशेखर आजाद अभियांत्रिकी महाविद्यालय इटावा ने छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पदार्थ विज्ञान की भूमिका वर्तमान में सस्ते और टिकाऊ उत्पादों को बनाने में प्रासंगिक है , विज्ञान के इस युग में वही छात्र सफल होगा जो अपने क्षेत्र विशेष में तकनीकी रूप से सिद्धहस्त होगा, ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी है | सैद्धांतिक तथा प्रयोगिक लाभ विज्ञान की उपलब्धियों के दो मुख्य उद्देश्य हैं ,इन्हीं दो उद्देश्यों का संतुलन विज्ञान के क्षेत्र की उपलब्धियां को संतुलित रूप से समाज पर लागू करता है |

संगोष्ठी के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने मुख्य अतिथि की उपलब्धियां के बारे में बताया तथा छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए अतिथियों के महत्वपूर्ण उद्बोधन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया | सेमिनार के तकनीकी सत्र में कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डा.

प्रबल प्रताप सिंह ने अपने शोध पत्र में ग्रिफिन आधारित हाइपरबॉलिक मैटा मटेरियल टेरा हर्टज् के गुण को बताते हुए कहा कि इसका उपयोग मानव शरीर में रक्त अवरोध को सुचारू करने तथा सिकाई में प्रयोग होता है, इसे टेरा हर्टज् थेरेपी कहते हैं |

श्री श्याम बाबू मिश्रा सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर ,चंबल सेंचुरी इटावा ने अपने शोध पत्र में चंबल सेंचुरी में जैव विविधता पर प्रकाश डाला पी. पी. एन. महाविद्यालय कानपुर से आए एसोसिएट प्रोफेसर सतीश चंद्र ने आदित्य एल वन मिशन की प्रासंगिकता से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया | जीवन विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ विशाल चंद्र ने अपने शोध पत्र में हर्बल नैनो पार्टिकल द्वारा ड्रग डिलीवरी पर प्रकाश डाला |

मुख्य वक्ता खेम बी.थापा,डॉ प्रबल प्रताप सिंह, डॉ सतीश चंद्र एवं श्री श्याम बाबू मिश्रा , डॉ विशाल चंद्र को प्रतीक चिन्ह अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला एवं डॉ नवीन अवस्थी आदि द्वारा प्रदान किया गया | कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ज्योति भदोरिया ने किया। कार्यक्रम में आई क्यू ए सी के कोऑर्डिनेटर डॉ एके पांडेय , डॉ एमपी यादव, डॉ एमपी सिंह, डॉ पी के राजपूत , डॉ डीएन सिंह, डॉधर्मेंद्र कुमार, डॉ आदित्य कुमार ,डॉ डीजे मिश्रा, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉक्टर गोपीनाथ मौर्य, डॉ संजीव कुमार ,डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ मनोज यादव, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह,डॉ संतोष कुमार चंदेल, श्री कुलदीप अवस्थी ,शिवमोहन अग्निहोत्री, पवन सक्सेना ,सुबोध शुक्ला, मनोज दीक्षित, ऋषि राज, अमर सिंह, सुनील शुक्ला, रमेश पाल, अनुज कठेरिया आदि की सहभागिता रही , इसके साथ-साथ कॉलेज के प्रत्येक कर्मचारी एवं कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स , बीएससी, एमएससी एवं शोध छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही ।

दिनांक 22 दिसंबर 2023 को करेंट ट्रेंड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CTFAST-2023) शीर्षक आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारम्भ के अवसर पर सेमिनार स्मारिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण

ऊर्जा के न्यूनतम क्षय के साथ नवीन अन्वेषण हमारी पीढ़ी के छात्रों की जिम्मेदारी

करंट विजन संवाददाता

इटावा। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा में करेंट ट्रेन्ड्स एंड फ्रंटियर एडवांसेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी शीर्षक आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। सेमिनार में अतिथियों का कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत करके किया गया।सेमिनार के उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन सेमिनार के कन्वीनर डॉ प्रकाश दुबे ने दिया तथा सेमिनार के मुख्य शीर्षक की आख्या प्रस्तुत की। सेमिनार के मुख्य अतिथि राजकीय अभियंत्रिकी कॉलेज मैनपुरी के डीन प्रो. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान सिर्फ उस पर चर्चा से ही हल निकाला जा सकता है, वह चाहे शिक्षा व्यवस्था हो, देश के विकास की बात हो और चाहे किसी भी योजना के बारे में हो। इस सेमिनार से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलेगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में जन्मे महान गुरु चरक आर्यभट्ट भास्कराचार्य चाणक्य नागार्जुन गौतम पिंगला मैत्री गार्गी पतंजलि आदि ने जो शिक्षा व्यवस्था प्रस्तुत की वह आज तक देखने को नहीं मिली उससमय शिक्षा संस्कार पूर्ण हो हुआ करती थी जो हमेशा मानव कल्याण की बात करती थी मानव के विकास तथा कल्याण से पूरी तरह जुड़ी हुई शिक्षा से सर्वांगीण विकास संभव था उस समय ऐसे विद्यालय थे जिसमें विद्यार्थियों के रहने खाने अध्यापन करने तथा शोध करने का वातावरण पूर्व से विकसित था जिसमें तक्षशिला, नालंदा ,विक्रम सिला प्रमुख थे।

कॉलेज के प्रबंध समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि पहले गुरुकुल व्यवस्था थी, जिसमें गुरु एवं शिष्य का संबंध दृढ़ होता था। लेकिन आज के समय में शिक्षा व्यवस्था बस जॉब ओरिएंटेड रह गई है। उन्होंने कहा कि इस नेशनल सेमिनार में बहुत कुछ नवाचार सीखने को मिलेगा और कहा कि आज के विषय पर समग्र चिंतन करके देश के विकास में सहयोग करना होगा। सेमिनार के की–नोट स्पीकर बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो०सी खेम थापा ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी में हम विश्व गुरु हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान के सिद्धांत को समझना और उसको प्रतिस्थापित करना तकनीकी होता है,उन्होंने अपने की–नोट स्पीच में प्रकाश, प्रकाश का पदार्थ से संबंध, फोटोनिक्स, मैक्सवेल का इक्वेशन नियम, ऋणात्मक इंडेक्स मैटेरियल्स, माइक्रोवेव के लिए सबवेवलेंथ, हाइपर बॉलिक पदार्थ तथा विज्ञान के अन्य पहलुओं पर अपने विचारों का साझा किया।

डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के अतिथि वक्ता खेम बी. थापा के मुख्य उद्बोधन की सार्थक चर्चा की प्रशंसा करते हुए छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए डॉ एन. के. शर्मा, डीन कृषि ,चंद्रशेखर आजाद अभियांत्रिकी महाविद्यालय इटावा ने छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पदार्थ विज्ञान की भूमिका वर्तमान में सस्ते और टिकाऊ उत्पादों को बनाने में प्रासंगिक है।

संगोष्ठी के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ ललित गुप्ता ने मुख्य अतिथि की उपलब्धियां के बारे में बताया तथा

छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए अतिथियों के महत्वपूर्ण उद्बोधन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया। सेमिनार के तकनीकी सत्र में कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डा. प्रबल प्रताप सिंह ने अपने शोध पत्र में ग्रिफिन आधारित हाइपर बॉलिक मैटा मटेरियल टेरा हर्टज् के गुण को बताते हुए कहा कि इसका उपयोग मानव शरीर में रक्त अवरोध को सुचारू करने तथा सिकाई में प्रयोग होता है, इसे टेरा हर्टज् थेरेपी कहते हैं। श्री श्याम बाबू मिश्रा सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर ,चंबल सेंचुरी इटावा ने अपने शोध पत्र में चंबल सेंचुरी में जैव विविधता पर प्रकाश डाला। पी. पी. एन. महाविद्यालय कानपुर से आए एसोसिएट प्रोफेसर सतीश चंद्र ने आदित्य एल वन मिशन की प्रासंगिकता से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किया द्य जीवन विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग कानपुर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ विशाल चंद्र ने अपने शोध पत्र में हर्बल नैनो पार्टिकल द्वारा ड्रग डिलीवरी पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता खेम बी. थापा,डॉ प्रबल प्रताप सिंह, डॉ सतीश चंद्र एवं श्री श्याम बाबू मिश्रा, डॉ विशाल चंद्र को प्रतीक चिन्ह अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला एवं डॉ नवीन अवस्थी आदि द्वारा प्रदान किया गया द्य कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ज्योति भदोरिया ने किया। कार्यक्रम में आई क्यू ए सी के कोऑर्डिनेटर डॉ एके पांडेय, डॉ एमपी यादव, डॉ एमपी सिंह, डॉ पी के राजपूत, डॉ डीएन सिंह, एवं शोध छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही ।